PAPER-II
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________________
(In words)

D 9 1 1 1

Time : $1\,{}^{1}/_{4}$ hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **Answer Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये उत्तर-पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – II

पण्हपत्तं – II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions. **(50 × 2 = 100 Marks)**

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णास** (50) बहुविकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे** (2) अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति । **(50 × 2 = 100 अंका)**

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) **अंक** हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(50 × 2 = 100 अंक)**

1. Prākrit Language belongs to this linguistic family
पागदभासाअ अणेण भासापरिवारेण सह संबंधो अत्थि
प्राकृत भाषा का इस भाषा परिवार से सम्बन्ध है
(A) द्रविड़-भाषा परिवार
(B) मुण्डा-भाषा परिवार
(C) भारतीय-भाषा परिवार
(D) ईरानी-भाषा परिवार

2. Ukāra is excessively used in this language
उकारबहुला भासाए नाम इदमत्थि
उकार-बहुला भाषा का नाम यह है
(A) अर्धमागधी
(B) अपभ्रंश
(C) महाराष्ट्री
(D) पैशाची

3. Digambar Jain Literature is mainly written in this language
दिगम्बर आग्रम साहिच्चस्स पमुह-भासा इमा अत्थि
दिगम्बर आगमिक साहित्य अधिकांशत: इस भाषा में लिखा गया है
(A) अर्धमागधी-प्राकृत
(B) महाराष्ट्री-प्राकृत
(C) पैशाची-प्राकृत
(D) शौरसेनी-प्राकृत

4. Apabhraṁśa is considered a language of this development stage of Prākrit :
अवभंस-पाइय-भासाए विगासस्स इमस्स जुगस्स भासा अत्थि
अपभ्रंश प्राकृत भाषा से विकसित इस युग की भाषा है
(A) आधुनिकयुगीन (B) मध्ययुगीन
(C) तृतीययुगीन (D) प्रथमयुगीन

5. This is the chief characteristic of Māgadhī Prākrit
मगही पाइय भासाए पमुहं विसिट्ठं अत्थि
मागधी प्राकृत की प्रमुख विशेषता यह है
(A) 'ण' के स्थान पर 'न' हो जाता है ।
(B) 'र' के स्थान पर 'ल' हो जाता है ।
(C) उकार का बहुलता से प्रयोग होता है ।
(D) वर्ग के तृतीय और चतुर्थ स्थान पर क्रमश: प्रथम और द्वितीय अक्षर हो जाते हैं ।

6. This statement is correct
इयं कहणं सच्चं
यह कथन सत्य है
(i) प्राकृत की उत्पत्ति भगवान् महावीर ने की ।
(ii) प्राकृत में संस्कृत के समान ही तीन पुरुष होते हैं ।
(iii) चतुर्थी एवं षष्ठी विभक्ति के शब्द रूप एक समान पाये जाते हैं ।
(iv) प्राकृत में ए और औ स्वर नहीं होते हैं ।
(A) (i) तथा (ii) (B) (ii) तथा (iii)
(C) (iii) तथा (iv) (D) सभी

7. The main language of the teachings of Mahāvīra Swāmi is
महावीर सामिस्स उवदेसाणं मूलभासा अत्थि :
महावीर स्वामी के उपदेशों की मूलभाषा है
(A) महाराष्ट्री प्राकृत
(B) अर्धमागधी प्राकृत
(C) मागधी प्राकृत
(D) पैशाची प्राकृत

8. 'त्' becomes 'द्' in this Prākrit :
इमा पाइय-भासये 'त्' कारस्य 'द्' कारो होदि
इस प्राकृत भाषा में 'त्' के स्थान पर 'द्' होता है
(A) अर्धमागधी (B) महाराष्ट्री
(C) शौरसेनी (D) मागधी

9. स्, ष् and श् are replaced in Māgadhī Prākrit by
महगी-पाइयस्स पमुह लक्खणं 'स्, ष्, श्' इमे ठाणे होइ
मागधी प्राकृत में 'स्, ष्, श्' के स्थान पर होता है
(A) श् (B) ष्
(C) ह् (D) स्

10. This statement is incorrect
इमं कधणं असच्चं
यह कथन असत्य है
(i) प्राकृत में 'ऐ' और 'औ' स्वर होते हैं ।
(ii) प्राकृत में द्वि-वचन नहीं होता ।
(iii) चतुर्थी एवं षष्ठी विभक्ति के शब्द रूप एक समान पाये जाते हैं ।
(iv) प्राकृत में संस्कृत के समान ही तीन पुरुष नहीं होते हैं ।
(A) (i)
(B) (i) तथा (iv)
(C) (iii) तथा (ii)
(D) सभी

11. नन्दीसूत्र is composed by
नन्दीसूत्र गन्थस्स रयणागारो अत्थि
नन्दीसूत्र ग्रन्थ के रचयिता हैं
(A) देववाचक
(B) जिनदासगणि महत्तर
(C) संघदारगणि
(D) हेमचन्द्र

12. The language of the Uttarādhyayana Sūtra is
उत्तरज्झयणसुत्तस्स भासा इमा अत्थि
उत्तराध्ययन सूत्र इस भाषा में रचित है
(A) शौरसेनी - प्राकृत
(B) अर्धमागधी - प्राकृत
(C) मागधी - प्राकृत
(D) महाराष्ट्री - प्राकृत

13. The language of Pravacansāra is
पवयणसारस्स भासा इमा अत्थि :
प्रवचनसार इस भाषा में है :
(A) अर्धमागधी
(B) महाराष्ट्री
(C) पैशाची
(D) शौरसेनी

14. This is the work of Ācārya जिनभद्रगणिक्षमाश्रमण
इमो आयरिय जिनभद्रगणि क्षमाश्रमणस्स गंथो अत्थि
यह आचार्य जिनभद्रगणि क्षमाश्रमण का ग्रन्थ है
(A) जीतकप्पसुत्त
(B) ववहारसुत्त
(C) पुप्फचूला
(D) नायाधम्मकहाओ

15. This is the work of Ācārya Yativṛṣabha
इमो आयरिय यदिरिसभस्स गंथो अत्थि
यह आचार्य यतिवृषभ का ग्रन्थ है
(A) मूलाचार
(B) तिलोयपण्णत्ति
(C) गोम्मट्टसार
(D) भावसंगहो

16. Read the Unit – I and II for the correct match :
पढमं एवं बीयं समूहं सुट्ठु मिलाणत्थं पढ
प्रथम और द्वितीय समूहों का सही मिलान कीजिए

I	II
(a) गउडवटो	(i) रामवाणिवाद
(b) लीलावइ	(ii) धनेश्वरसूरि
(c) कंसवहो	(iii) वाक्पतिराज
(d) सुरसुन्दरीचरियं	(iv) कोऊहल

Identify the correct match :
सुट्ठु मिलाणस्स उत्तरं लिह
सही मिलान की पहचान कीजिए
(A) (a) + (iii)
(B) (b) + (ii)
(C) (c) + (iv)
(D) (d) + (i)

17. Read the Unit – I and II for the correct match :
पढमं एवं बीयं समूहं सुट्ठु मिलाणत्थं पढ
प्रथम और द्वितीय समूहों का सही मिलान कीजिए

I	II
(a) रयणचूडरायचरियं	(i) कृष्णलीला शुक
(b) सुपासणाहचरियं	(ii) रामपाणिवाद
(c) उसाणिरुज्झ	(iii) नेमिचन्द्र सूरि
(d) सिरिचिंधकव्व	(iv) लक्ष्मणगणि

Identify the correct match :
सुट्ठु मिलाणस्स उत्तरं लिह
सही मिलान की पहचान कीजिए
(A) (a) + (iii)
(B) (b) + (ii)
(C) (c) + (iv)
(D) (d) + (i)

18. कुवलयमाला is a work of this kind
कुवलयमाला इमस्स विहाए गंथं अत्थि
कुवलयमाला इस विधा का ग्रन्थ है
(A) चम्पूकाव्य
(B) मुक्तक काव्य
(C) सट्टक
(D) महाकाव्य

19. The 'Paumacariyaṁ' is composed in this Prākrit language
'पउमचरियं' गंथस्स इमा पाइय भासा अत्थि
'पउमचरियं' ग्रन्थ इस प्राकृत भाषा में निबद्ध है
(A) शौरसेनी
(B) मागधी
(C) महाराष्ट्री
(D) पैशाची

20. The author of Śāriputraprakaraṇa is :
सारिपुत्तप्पकरणस्स लेहगो अत्थि
शारिपुत्रप्रकरण के लेखक हैं
(A) अश्वघोष
(B) कालिदास
(C) भास
(D) राजशेखर

21. The Aṅkáś of Karpūramañjarī are known by
कर्पूरमञ्जरीअ अङ्कानं णाम अत्थि
कर्पूरमंजरी के अङ्कों का नाम है
(A) जवनिका
(B) अङ्क
(C) सर्ग
(D) आश्वास

22. The Kappūramañjarī is mainly composed in the Prākrit language
कप्पूरमञ्जरी गन्थस्स पमुहरूवेण इमा पाइय भासा अत्थि
कप्पूरमञ्जरी ग्रन्थ प्रमुख रूप से इस भाषा में निबद्ध है
(A) महाराष्ट्री
(B) शौरसेनी
(C) पैशाची
(D) अर्धमागधी

23. The Karpūramañjarī is composed in the form
करपूरमञ्जरी इमम्मि विहाए लिहिदा
कर्पूरमञ्जरी इस विधा में लिखी गयी है
(A) मुक्तककाव्य
(B) नाटक
(C) महाकाव्य
(D) सट्टक

24. The period of Aṡokan inscription is
असोग-सिलालेहस्सकालो अत्थि
अशोक के शिलालेखों का समय है
(A) प्रथम शताब्दी ई.पू.
(B) दूसरी शताब्दी ई.पू.
(C) तीसरी शताब्दी ई.पू.
(D) चौथी शताब्दी ई.पू.

25. The number of Aṡoka-Girnār inscriptions are
महाराया असोगस्स गिरनार सिलालेहाण संखा अत्थि
सम्राट अशोक के गिरनार शिलालेखों की संख्या है
(A) 40
(B) 36
(C) 14
(D) 28

26. Second name of Khaṇḍagiri Udaigiri inscription is
खण्डगिरि-उदयगिरिसिलालेहस्स वीयो नाम अत्थि
खण्डगिरि-उदयगिरि शिलालेख का दूसरा नाम है
(A) सांची शिलालेख
(B) हाथीगुंफा शिलालेख
(C) एलोरा शिलालेख
(D) अजन्ता शिलालेख

27. The script of Girināra inscription is
गिरनार सिलालेहस्स लिवि अत्थि
गिरनार शिलालेख की लिपि है
(A) कन्नड़
(B) शारदा
(C) खरोष्ठी
(D) ब्राह्मी

28. The period of Kharbela inscription
खारबेल सिलालेहस्स कालो अत्थि
खारबेल शिलालेख का समय है
(A) प्रथम शताब्दी ई.पू.
(B) द्वितीय शताब्दी ई.पू.
(C) तृतीय शताब्दी ई.सन्
(D) चतुर्थ शताब्दी ई.सन्

29. The Hāthīgumphā Rock Edict was inscribed by
हाथीगुंफा-सिलालेह इमिणा णिवेण उक्किण्णं :
हाथीगुम्फाशिलालेख इन्होंने उत्कीर्ण कराया था
(A) अशोक
(B) बिन्दुसार
(C) खारवेल
(D) चन्द्रगुप्त

30. The work Kavidarpaṇa is related to
कविदप्पणं गंथं सम्बद्धमत्थि :
कविदर्पण ग्रन्थ इससे सम्बन्धित है
(A) छन्द
(B) व्याकरण
(C) अलंकार
(D) कोश

31. The author of Gāhālakkhaṇam is
गाहालक्खणस्स लेहगो अत्थि
'गाहालक्खणं' ग्रन्थ के लेखक हैं
(A) हेमचन्द्र
(B) नंदिताढ्य
(C) विरहांक
(D) अज्ञात

32. The subject matter of Prākritapengalam is
पाइयपेंगलस्स मुक्खविसयं अत्थि ।
'प्राकृतपेंगलं' कां प्रमुख विषय है ।
(A) छन्द
(B) व्याकरण
(C) कोश
(D) अलंकार

33. This is an example of prothesis (स्वरागम)
इदं सरागमस्स उदाहरणं अत्थि
यह स्वरागम का उदाहरण है
(A) सयडो
(B) चाइत्ति
(C) इत्थी
(D) वयणं

34. This is an example of middle consonant :
इदं मज्झवंजनलोवस्स उदाहरणं अत्थि
यह मध्य व्यंजन लोप का उदाहरण है
(A) रण्णं
(B) मयणं
(C) भारिआ
(D) चरियं

35. This work is related to Prākrit Kosa Lexicon
इदं गंथं पाइयस्स कोसगंथं अत्थि
यह प्राकृत का कोशग्रन्थ है
(A) छन्दकोश
(B) पाइयसद्दमहण्णवो
(C) आख्यानमणिकोश
(D) कहारयणकोस

36. The example of 'तत्पुरुष समास' is
इमम्मि तप्पुरिस-समासो अत्थि
इसमें तत्पुरुष समास है
(A) रायपुरिसो
(B) पीयांवरो
(C) सयंवरो
(D) माया-पियरो

37. The form of 'सम्बन्धकृदन्त' is
इदं संबधकिदिदन्तस्सरूपं अत्थि
यह सम्बन्धकृदन्त का रूप है
(A) हसिउं
(B) गच्छंतो
(C) पढिऊण
(D) भासियं

38. The number of 'Mātras' in Gāhāchhanda are :
गाहा छंदे मत्ता होंति
'गाहा' छन्द में मात्राएँ होती हैं
(A) 12, 8, 10, 12
(B) 10, 15, 10, 12
(C) 8, 10, 8, 12
(D) 12, 18, 12, 15

39. The word 'पुलिशे' is an example of
'पुलिशे' सद्दो इमस्स पाइयस्स उदाहरणो अत्थि
'पुलिशे' शब्द इस प्राकृत का उदाहरण है
(A) पैशाची
(B) मागधी
(C) शौरसेनी
(D) महाराष्ट्री

40. The example of Sūtra 'णादौ' is
'णादौ' सुत्तस्स उदाहरणं इदं अत्थि
'णादौ' सूत्र का यह उदाहरण है
(A) नरो
(B) णरो
(C) नरः
(D) नरेसु

41. The author of 'Mṛcchakaṭikaṁ' is
'मृच्छकटिकम्' नाडगस्स रयियय अत्थि
'मृच्छकटिकम्' नाटक का रचयिता है
(A) शूद्रक
(B) राजशेखर
(C) रामपाणिवाद
(D) हस्तिमल्ल

42. Poet Puṣpadanta is the author of this work
कवि पुष्पदंत इमस्स गंथस्स लेहगो अत्थि
कवि पुष्पदंत इस ग्रंथ के लेखक हैं
(A) षट्खण्डागम
(B) प्रवचनसार
(C) णायकुमारचरिउ
(D) कुवलयमालाकहा

43. Satthapariṇṇā is the first chapter of this work
सत्थपरिण्णा इमस्सगंथस्स पढमो अज्झयणं अत्थि
सत्थपरिण्णा इस ग्रंथ का प्रथम अध्ययन है
(A) प्रवचनसार
(B) सन्मतितर्कप्रकरण
(C) आचारांग
(D) समवायांग

44. The name of the second chapter of Ācārāṅga is
आयारांगस्स बिदीय अज्झयणस्स णामो अत्थि
आचारांग का द्वितीय अध्ययन का नाम यह है
(A) केशी-गोतम (B) नमिपव्वज्जा
(C) सत्थपरिण्णा (D) लोगविजय

45. ता मरगअकुंजादो प्पिअवअस्सं तमालविडबंतरिदं ठाविअ एदं प्पच्चक्खं करइस्सं ।
Above statement is taken from this book :
उवरि-उत्ता कहणं इमम्मि गंथे अत्थि
उपर्युक्त कथन इस ग्रंथ से लिया गया है
(A) कर्पूरमञ्जरी
(B) रत्नावली
(C) मृच्छकटिक
(D) अभिज्ञानशाकुन्तल

46. 'अध किंणिमित्तं मम-केलिकाए पाशाद-बालग्ग-पदोलिकाए शमीवेघोशणा णिवडिदा, निवालिदा अं ? कधं ।'
Above statement is taken from this book :
उवरि-उत्ता कहणं इमम्मि गंथे अत्थि
उपर्युक्त कथन इस ग्रंथ से लिया गया है
(A) रत्नावली (B) कर्पूरमञ्जरी
(C) श्रृंगारमञ्जरी (D) मृच्छकटिकं

47. ज्ञानाधिकार is a part of this Āgama
ज्ञानाधिकार अस्स आगमस्स भागो अत्थि
ज्ञानाधिकार इस आगम का भाग है
(A) णियमसार (B) दव्वसंगह
(C) पवयणसार (D) पञ्चत्थिकाय

48. Read the Units – I and II for the correct match :
पढमं बीयं खण्डाणं सुट्ठु मेलणं पढ :
प्रथम एवं द्वितीय खण्डों के सही मिलान के लिए पढ़िये :

I	II
(a) शूद्रक	(i) गाथासप्तशती
(b) उद्योतनसूरि	(ii) मृच्छकटिकं
(c) पुष्पदंत	(iii) कुवलयमालाकहा
(d) हाल	(iv) णायकुमारचरिउ

Write the correct answer
सुट्ठु मिलाणस्स उत्तरं लिह
सही मिलान का उत्तर लिखिए ।

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(B)	(iv)	(i)	(iii)	(i)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(ii)
(D)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

49. 'उवओगो दुवियप्पो दंसण-णाणं च दंसणं चदुधा ।'
The qualities of this substance is described in the above line of gāhā :
उवरि उत्ते गाहाए अंसे अस्स दव्वस्स सरूवं कहिदं :
उपर्युक्त गाथांश में इस द्रव्य का स्वरूप कहा गया है :
(A) कालद्रव्य (B) धर्मद्रव्य
(C) जीवद्रव्य (D) अजीवद्रव्य

50. 'किच्चा अरहंताणं सिद्धाणं तह णमो गणहराणं'
The above line of the gāhā is found in
उवरि उत्तं गाहाए अंसं इमम्मि गंथे पत्तमत्थि
उपर्युक्त गाथांश इस ग्रंथ में प्राप्त है
(A) उत्तराध्यनसूत्र
(B) द्रव्यसंग्रह
(C) सन्मतितर्कप्रकरण
(D) प्रवचनसार

Space For Rough Work